

नशे से मुक्त हो देश और समाज : प्रो. कुमुद शर्मा

हिंदी विश्वविद्यालय में ली नशा मुक्ति प्रतिज्ञा

वर्धा, 26 जून, 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गुस्वार, 26 जून को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की



कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलायी।

इस अवसर पर अपने संदेश में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि देश और समाज नशे से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक अवगुण है, नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे इंसान का अनमोल जीवन समय से पूर्व ही समाप्त हो जाता है। नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि के साथ ही इससे सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता है। नशा किसी प्रकार का भी हो व्यक्तित्व के विनाश, निर्धनता की वृद्धि और मृत्यु के द्वार खोलता है। इस आसुरी प्रवृत्ति को समाप्त करना परमावश्यक है। नशा मुक्ति का अर्थ होता है किसी व्यक्ति या समाज को सभी प्रकार के नशे से मुक्त करना और साथ ही साथ व्यक्ति या समाज की सद्बृत्ति, स्वास्थ्यवृत्ति और सकारात्मक जीवन शैली को प्राथमिकता देना तथा नशे के हानिकारक प्रभावों से बचाव है। नशा मुक्ति का महत्व न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन के लिए है, बल्कि समाज के विकास के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि व्यसन से मुक्त परिसर के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय कटिबद्ध है।

इसके अतिरिक्त छः संभाजी महाराज छात्रावास, बिरसा मुंडा छात्रावास, भगत सिंह छात्रावास, सुखदेव छात्रावास, राजगुरु छात्रावास, चंद्रशेखर आज़ाद छात्रावास, सावित्रीबाई फुले छात्रावास तथा लक्ष्मीबाई केलकर छात्रावास के अंतेवासियों को भी शपथ दिलायी गई। ऑनलाइन प्रतिज्ञा में प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी सहभागी हुए।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



देश आणि समाज व्यसनमुक्त झाला पाहिजे: प्रो. कुमुद शर्मा
हिंदी विश्वविद्यालयात अंमली पदार्थ विरोधी प्रतिज्ञा

वर्धा, २६ जून, २०२५: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात गुरुवार, २६ जून रोजी अंमली पदार्थ मुक्त भारत मोहिमेअंतर्गत सामाजिक न्याय आणि सक्षमीकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारे शपथविधी कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला. विश्वविद्यालयाच्या कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी ऑनलाइन माध्यमातून शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थ्यांना व्यसनमुक्तीची शपथ दिली.

या प्रसंगी आपल्या संदेशात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की देश आणि समाज व्यसनमुक्त असले पाहिजे. त्या म्हणाल्या की व्यसन ही एक गंभीर सामाजिक दोष आहे, व्यसन ही एक अशी वाईट गोष्ट आहे, ज्यामुळे व्यक्तीचे मौल्यवान जीवन वेळेपूर्वी संपते. व्यक्तीला शारीरिक, मानसिक आणि आर्थिक नुकसान होण्याव्यतिरिक्त, मादक पदार्थांचे सेवन सामाजिक वातावरण देखील प्रदूषित करते. कोणत्याही प्रकारचे व्यसन व्यक्तीमत्त्वाचा नाश, गरिबी आणि मृत्यूचे दरवाजे उघडते. ही राक्षसी प्रवृत्ती संपवणे आवश्यक आहे. व्यसनमुक्ती म्हणजे व्यक्ती किंवा समाजाला सर्व प्रकारच्या व्यसनांपासून मुक्त करणे आणि त्याच वेळी व्यक्ती किंवा समाजाची चांगली वृत्ती, आरोग्य वृत्ती आणि सकारात्मक जीवनशैली आणि व्यसनाच्या हानिकारक प्रभावांपासून संरक्षण यांना प्राधान्य देणे. व्यसनमुक्ती केवळ व्यक्तीच्या आरोग्यासाठी आणि जीवनासाठीच महत्त्वाची नाही तर समाजाच्या विकासासाठी देखील खूप महत्त्वाची आहे. त्या म्हणाल्या की महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय व्यसनमुक्त होण्यासाठी वचनबद्ध आहे.

याशिवाय संभाजी महाराज वसतिगृह, बिरसा मुंडा वसतिगृह, भगतसिंह वसतिगृह, सुखदेव वसतिगृह, राजगुरू वसतिगृह, चंद्रशेखर आझाद वसतिगृह, सावित्रीबाई फुले महिला वसतिगृह आणि लक्ष्मीबाई केळकर वसतिगृहातील रहिवाशांनाही शपथ देण्यात आली. प्रयागराज केंद्रातील शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थ्यांनीही ऑनलाइन व्यसनमुक्तीची शपथ घेतली.

The Nation and Society Must Be Free from Addiction: Prof. Kumud Sharma
Anti-Drug Pledge at Hindi University

Wardha, 26 June 2025: As per the guidelines of the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, an oath-taking ceremony was organized on Thursday, 26 June under the "Drug-Free India Campaign" at Mahatma Gandhi International Hindi University. The Vice-Chancellor of the university, Prof. Kumud Sharma, administered the pledge for addiction-free living to the faculty, non-teaching staff, researchers, and students through an online platform. On this occasion, in her message, Vice-Chancellor Prof. Kumud Sharma stated that the country and society must be free from addiction. She remarked that addiction is a serious social evil—an evil that causes a person's precious life to end prematurely. Beyond causing physical, mental, and financial harm to the individual, substance abuse also pollutes the social environment. Any form of addiction leads to the destruction of personality, poverty, and opens the doors to death. It is necessary to eliminate this demonic tendency.

De-addiction means freeing an individual or society from all types of addictions, while also prioritizing good values, health-conscious attitudes, positive lifestyles, and protection from the harmful effects of addiction. De-addiction is not only essential for the health and life of the individual but also for the progress of society. She added that Mahatma Gandhi International Hindi University is committed to being an addiction-free campus.

In addition, residents of Sambhaji Maharaj Hostel, Birsu Munda Hostel, Bhagat Singh Hostel, Sukhdev Hostel, Rajguru Hostel, Chandrashekhar Azad Hostel, Savitribai Phule Hostel, and Laxmibai Kelkar Hostel also took the pledge. Teachers, non-teaching staff, researchers, and students at the Prayagraj center also took the pledge for de-addiction online.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305